[Time: 2 Hours] **[Marks: 60]**

N.B: 1. Answer **any five** questions from **Q.No 1** to **Q. No.8 ; Q. 9** is **Compulsory.**

2. Marks are indicated against each questions.

3. Students answering in regional language should refer in case of doubt to the main text paper in English.

1. Elaborate the influence of family and religion in the formation of gender identity. **10**

2. " Psychological perspectives help to understand gender specific roles in society." Elucidate the statement. **10**

3. What is cyber bullying ? How can the issue of cyber bullying be handled effectively ? **10**

4. "Gender stereotyping influences the construction of gender identity." Illustrate. **10**

5. Explain in detail the concept of patriarchy and its impact on society. **10**

6. "Peers and teachers play a significant role in addressing gender challenges." Comment. **10**

7. Elucidate the salient features of Domestic Violence Act 2005. **10**

8. Explain the Millennium Development Goal of promoting Gender Equality and empowerment. **10**

9. Attempt **any two** of the following : **10**

(a) Any five provisions of protection of children from sexual offences (POCSO) Act.

(b) Gender based work place discrimination.

(c) Role of Non-government organisations (NGOs) in promoting gender equity.

(d) Contribution of any one contemporary Indian woman towards women empowerment.

97E758B4165A51248E7D9992A18404A0

(मराठी रुपांतर)

(२ तास) एकूण गुण : ६०

१. लिंगभाव ओळख निर्मितीवर कुटुंब आणि धर्म यांचा पडणारा प्रभाव सविस्तर लिहा. १०

२. ''समाजातील लिंगभाव विशिष्ट भूमिकांचे आकलन होण्यास मानसशास्त्रीय प्ररिप्रेक्ष्य साहाय्यभूत ठरतात.'' विशद करा. १०

३. सायबर बुलिईंग म्हणजे काय? सायबर बुलिईंगची समस्या प्रभावीपणे कशा प्रकारे हाताळता येऊ शकते? १०

४. '' लिंगभाव रूढीबध्दता, लिंगभाव ओळख निर्मितीस प्रभावीत करतात.'' सोदाहरण स्पष्ट करा. १०

५. पितृसत्तेची संकल्पना आणि त्याचा समाजावरील परिणाम सविस्तर स्पष्ट करा. १०

६. '' लिंगभाव विषयक आव्हानांस सामोरे जाण्यात समवयस्क गट आणि शिक्षक महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावतात.'' टिप्पणी करा. १०

७. कौटुंबिक हिंसाचार अधिनियम २००५ ची मुख्य वैशिष्ट्ये विशद करा. १०

८. लिंगभाव समानता व सबलीकरण वृध्दिंगत करण्याबाबतचे सहस्राब्दी विकास ध्येय स्पष्ट करा. १०

९. खालीलपैकी **कोणत्याही दोहोंवर** थोडक्यात लिहा. १०

(अ) लैंगिक गुन्ह्यांपासून बालकांचे संरक्षण (POCSO) या अधिनियमाच्या कोणत्याही पाच तरतूदी

(ब) कार्यस्थानी होणारा लिंगभावावर आधारित भेदभाव

(क) लिंगभाव समतेचा पुरस्कार करण्यातील अशासकीय संघटनांची (NGOs) भूमिका

(ड) स्त्री सबलीकरणाप्रती कोणत्याही एका समकालीन भारतीय स्त्री चे योगदान

[TURN OVER

97E758B4165A51248E7D9992A18404A0

(हिंदी अनुवाद)

(२ घंटे) कुल अंक: ६०

१. परिवार एवं धर्म का लिंग पहचान पर पडनेवाला प्रभाव विस्तार में लिखिए। १०

२. ''समाज में लिंगभाव विशिष्ट भूमिका समझने में मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य सहायता करता हैं।'' विशद कीजिए। १०

३. सायबर बुलिइंग किसे कहते हैं? सायबर बुलिइंग की समस्या का प्रभावपूर्ण संचालन किस तरह किया जा सकता हैं? १०

४. '' लिंगभाव रूढीबद्धता का लिंग पहचान पर प्रभाव होता हैं।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। १०

५. पितृसत्ता की संकल्पना तथा उसका समाजपर पडनेवाला प्रभाव विस्तार में स्पष्ट कीजिए। १०

६. '' लैंगिक चुनौतियों का सामना करने में समवयस्क समूह एवं अध्यापक की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती हैं।'' टिप्पणी कीजिए। १०

७. घरेलू हिंसाचार अधिनियम २००५ की मुख्य विशेषताएँ विशद कीजिए। १०

८. लिंग समानता एवं सशक्तीकरण संबंधी सहस्राब्दी विकास लक्ष्य स्पष्ट कीजिए। १०

९. निम्नलिखित में से **किन्ही दो** पर संक्षेप में लिखिए। १०

(अ) यौन शोषण से बालकों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम के कोई पाँच प्रावधान।

(ब) लिंगभाव आधारित कार्यस्थल पर होनेवाला भेदभाव।

(क) लिंगभाव समता को बढ़ावा देने में गैर सरकारी संगठन की भूमिका।

(ड) महिला सशक्तीकरण प्रती किसी एक समकालीन भारतीय महिला का योगदान।

97E758B4165A51248E7D9992A18404A0